डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 84 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 02 जनवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

देव दर्शन कर किया नवीन कैलेंडर वर्ष का स्वागत

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नवीन कैलेंडर वर्ष के अवसर पर सोमवार सुबह से ही लोगों ने धर्मस्थलों पर पहुंचकर नए साल में नई ऊर्जा की प्रार्थना की। पशुपतिनाथ महादेव मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। इधर ठंड के बावजूद रविवार रात में लोगों ने जगह-जगह आतिशबाजी कर नवीन कैलेंडर वर्ष का स्वागत किया।

सुबह से ही लोग एक दूसरे को अंग्रेजी नववर्ष की बधाई देते रहे। किसी ने गले मिलकर तो किसी ने चरण स्पर्श कर नए साल की शुभकामनाएं दी। ठंड होने के बाद भी लोग सुबह जल्दी उठकर मंदिरों में भगवान के दर्शन करने भी गए। खासकर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर, तलाई वाले बालाजी मंदिर, बड़े बालाजी मंदिर बस स्टैंड, गणपति चौक में द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। शहर की आस्था के केंद्र पशुपतिनाथ मंदिर में सोमवार को दिन भर में करीब 10 हजार लोगों ने भगवान के दर्शन कर सुख समृद्धि की प्रार्थना की। दिन भर कार्यालयों में व मोबाइल पर लोग एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई देते रहे। व्हॉट्स एप, फेसबुक व अन्य सोशल साइटस पर भी नववर्ष की बधाइयों का आदान-प्रदान होता रहा।

रात में डीजे पर थिरकते रहे युवा...

रविवार रात को युवाओं ने रात 12 बजे ही स्वागतम-2024 के शोर के साथ आतिशबाजी की। हर किसी ने एक-दूसरे को नववर्ष की बधाइयां दी। शहर के चौधरी कॉलोनी, रामटेकरी, संजीत नाका क्षेत्र सहित कई स्थानों पर आतिशबाजी की गई।। इसके अलावा अन्य रिसोर्ट, होटल व निजी संस्थानों में नववर्ष की पार्टियां हुई। इसमें नए वर्ष के जश्न को लेकर युवाओं में खासा उत्साह दिखा।

करोड़पति नेताओं की बेचारी कंगाल कांग्रेस...

एक पुराना फिल्मी गीत है। 'गरीबों की सुनो, वो तुम्हारी सुनेगा। तुम एक पैसा दोगे, वो दस लाख देगा।' चलिए, बात समझने और समझाने की गरज से गाने में कुछ परिवर्तन कर लेते हैं। कह देते हैं कि 'गरीब कांग्रेस की सुनो, वो तुम्हारी सुनेगी। तुम एक पैसा दोगे, वो दस लाख देगी।' राजनीतिक दल के तौर पर देश की सबसे बुजुर्ग पार्टी कांग्रेस इस समय ऐसी ही हालत में दिख रही है। अजीब लग सकता है, करोड़पति नेताओं को पालने पौसने वाली पार्टी अब कड़की के दौर में है। अगले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस क्राउड फंडिंग का सहारा ले रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया संपन्न एक कार्यक्रम में कुर्सियों पर ही बार कोड लगाकर लोगों से आर्थिक सहयोग की मांग की गई। स्थिति विचित्र है। करीब 135 साल पुराना वह सियासी दल देश की सत्ता में करीब छह दशक रहने के बाद कंगाल दिख रहा है, जिसके पास मालामाल नेताओं की कोई कमी नहीं है। कम से कम इसके किसी भी कर्णधार ने कभी रुपए-पैसे की मोहताजी का सामना नहीं किया। लाल बहादुर शास्त्री से लेकर गुलजारी लाल नंदा जैसे चंद जो उदाहरण इस स्थिति के अपवाद रहे, वह इस पार्टी में आउटडेटेड स्थिति के शिकार हो गए। बाकी तो मामला उन मोतीलाल नेहरू का रहा, जिनकी अपने समय में रोज की कमाई पांच हजार रुपए से अधिक की हुआ करती थी। वह जवाहरलाल नेहरू, जिनकी पसंद की सिगरेट लाने के लिए सरकारी विमान में उस समय हजारों रुपए का ईंधन फूँका जाता था। इंदिरा गांधी की वह तस्वीर आज भी देखी जा सकती है, जिसमें विमान में बैठकर राहुल गांधी के जन्मदिन का पारिवारिक आयोजन किया गया। पायलट की नौकरी छोड़ने के बाद न कभी राजीव गांधी ने आजीविका के प्रबंध हेतु कोई काम किया और न ही सोनिया गांधी से लेकर राहुल तक का अपना कोई रोजगार है। लेकिन, इनकी गिनती विश्व के रईस लोगों में की जाती है। इस परिवार से बाहर वाले सैकड़ों, हजारों नेताओं की भी लकदक से भरी जिंदगी किसी से छिपी नहीं है। तो सवाल यह कि मालामाल नेताओं वाली कांग्रेस भला खुद कैसे कंगाल हो गई है? क्या ऐसा हुआ कि जो लोग इस दल का कंधा पकड़कर धन-धान्य से संपन्न हुए, उन्होंने ही समय आने पर पार्टी की मदद के नाम पर उससे कंधा झाड़ लिया? या फिर यह मामला खालिस उसी तरह से दिखावे का है, जैसे राहुल गांधी ने कभी अपने कुर्ते की फटी जेब की नुमाइश के माध्यम से करने का असफल प्रयास किया था?

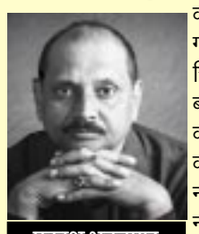

प्रकाश भटनागर

और यदि सचमुच कांग्रेस की यही दशा है, तो फिर इस पर भी कई सवाल खड़े होते हैं। चंदा लेने में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दल अपना खर्चा चंदे से या पार्टी के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं से जुटाते हैं। यह तथ्य भी सर्वविदित है कि केंद्र से लेकर राज्य तक में जो भी पार्टी सत्ता में होती है, उसे अन्य के मुकाबले अधिक चंदा मिलता है। तो जिस कांग्रेस ने करीब छह दशक तक देश पर शासन किया, जो कई राज्यों में लंबे समय तक हुकूमत में रही, कुछ राज्यो में आज भी है। उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि उसे आज यूं क्राउड फंडिंग का सहारा लेना पड़ रहा है? चंदा भाजपा ने भी लिया है। भले ही उसे अब तक इस मामले में कांग्रेस से कम अवसर मिले हैं। फिर भी आज स्थिति यह है कि इस दल ने देश के अधिकांश जिलों तक में अपने सर्व-सुविधा युक्त दफ्तर स्थापित कर लिए हैं। पार्टी सत्ता में रहे या विपक्ष में, भाजपा ने संगठन की अर्थव्यवस्था के लिए ऐसे कई कार्यक्रम चलाएं हैं। आजीवन सदस्यता निधि का एक ऐसा ही फार्मूला मध्यप्रदेश में पार्टी के पितृ पुरूष कहे जाने वाले कुशाभाऊठाकरे ने तय किया था, जिसमें पार्टी हर साल अपने ही कार्यकर्ताओं से आर्थिक मदद लेती है। तो भाजपा के मुकाबले कई गुना ऐसे अवसर मिलने के बाद भी कांग्रेस आर्थिक रूप से .... शेष पेज 4 पर

100 रुपए से ज्यादा का पेट्रोल नहीं..?

जिले के कई पेट्रोल पंप बंद होने की कगार पर, पेट्रोल-डीजल का स्टॉक खत्म होने के आसार

मंदसौर, 1जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में कई पेट्रोल पंप लगभग बंद हो गए है तो कई पेट्रोल पंप एक-दो दिन में बंद हो जाएगे। कई पेट्रोल पंप पर तो अधिकतम सौ रुपए से अधिक का पेट्रोल देने से मना किया जा रहा है। मतलब साफ है कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल का स्टॉक खत्म होने वाला है। इधर स्टॉक की पूर्ति भी नहीं हो पा रही। इसका कारण है वाहन चालकों की हड़ताल। बता दे कि हिट एंड रन कानून के विरोध में प्रदेशभर में वाहनों पहिए थम गए है। इस हड़ताल पर पेट्रोल-डीजल टैंकरों के अधिकांश चालक तथा मालिक भी शामिल है।

पेट्रोल पंपों पर रही भीड़...

इधर जिले में कई जगहों पर पेट्रोल देने से मना किया गया है। शहर से लगते इलाके में ही कुछ पेट्रोल पंप पर सौ रुपए से अधिक का पेट्रोल दिए जाने से मना कर दिया गया। इसके कारण जिला मुख्यालय पर कई पेट्रोल पंपों पर खासी भीड़ उमड़ते हुए नजर आई।

एक-दो दिन में सभी पेट्रोल पंप हो सकते है बंद...

जिन पेट्रोल पंपों स्टॉक खत्म हो गया है। उन्होंने पंप बंद कर दिए है। वहीं जिन पेट्रोल पंपों पर स्टॉक कम है, वह एक सीमा से ज्यादा पेट्रोल नहीं दे रहे। जिले में पेट्रोल पंप संचालकों से चर्चा में सामने आया कि जिन्होंने एक दो दिन पहले स्टॉक किया था। उनका स्टॉक भी एक-दो दिन में खत्म हो जाएगा।

राजस्थान से पहुंच रहे पेट्रोल भरवाने...

महत्वपूर्ण बात यह है कि पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए वाहन राजस्थान से आ रहे हैं। जिले से सटी सीमा में राजस्थान के कई इलाकों में भी पेट्रोल-डीजल की किल्लत हो गई है। ऐसे में मंदसौर जिले में भी जल्द ही स्टॉक खत्म होने की पूरी आशंका है।

प्रायवेट वाहन भी नहीं भेजा जा सकता...

पेट्रोल पंप संचालक अमर चौबे ने बताया कि प्रदेश में हिट एंड रन कानून के विरोध में टैंकर नहीं पहुंच पा रहे हैं। कई चालक और वाहन मालिक हड़ताल पर है। इसके अलावा कोशिश करके प्रायवेट वाहन या प्रायवेट चालक भी भेजा जाए तो हड़ताल और प्रदर्शन के कारण अधिकांश जगहों पर वाहनों को नहीं जाने दिया जा रहा।

प्रमुख सचिव ने की जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारियों से बात...

राज्य के प्रमुख सचिव ने जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारियों से ऑनलाइन बात की। प्रमुख सचिव ने सभी जिलों में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता की समीक्षा की। इसके साथ ही पेट्रोल डीजल के स्टॉक की जानकारी भी बुलाई गई है। इधर प्रदेश की बात करें तो कई जगहों पर तो पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं। खंडवा में कुछ पंपों पर जहां बिक्री चल रही है, वहां दो पहिया वाहनों की लंबी कतार लगी है। राज्य में कई जगहों पर भरे हुए पेट्रोल टैंकरों को रोका जा रहा है। कई जगहों पर पथराव किया गया। जिसके बाद पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया। भोपाल के बैरागढ़ और करोंद में पुलिस को भेजा गया। जबकि, कलेक्टर ने एसडीएम और खाद्य विभाग के अफसरों को भी पेट्रोल पंपों और डीपो की सुरक्षा का जिम्मा दिया है।

इनका कहना...

जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त आपूर्ति है। सभी जिले वासियों से अनुरोध है कि अफवाहों पर ध्यान न दें एवं अनावश्यक रूप से परेशान न हो। जिले में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त आपूर्ति है और यह सुचारू रूप से जारी रहेगी।

दिलीप यादव, कलेक्टर मंदसौर

शीत लहर से छूटी कंपकंपी सुबह से जले अलाव

दिन में ही तेवर दिखा रही थी सर्दी सीजन का सबसे ठंडा दिन

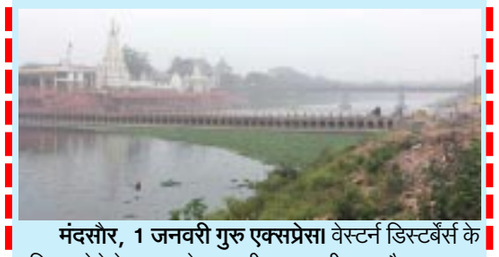

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने के असर से आगामी 4 जनवरी तक मौसम बदला हुआ रहेगा। साल के पहले दिन सोमवार को सुबह घना कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी 200 से 500 मीटर तक रही। स्थिति यह रही कि दोपहर तक भी कोहरे का असर दिखाई दिया। इसके अलावा यह इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के अंदर चला गया। अधिकतम तापमान भी घटकर 21 डिग्री के आसपास पहुंच गया। इसके अलावा ठंडी हवाओं का दौर दोपहर में भी जारी रहा। जिसके कारण लोग उनी कपडों में नजर आए। इसके बाद भी ठंडी हवाओं से लोग कंपकंपा रहे थे। सुबह से लोगो ने अलाव जलाकर ठंड दूर करने का प्रयास किया। मौसम जानकारों के अनुसार मध्यप्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते 4 जनवरी तक मौसम बदला हुआ रहेगा। हालांकि, जिले में इसका ज्यादा असर नहीं रहेगा। बादल छटने के बाद ठंड बढ़ेगी। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर प्रदेश के उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग के कुछ क्षेत्रों में रहेगा। यहां बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है, वहीं कुछ क्षेत्रों के हल्की बारिश की संभावना है।

वीरान पड़ी बागेश्वर धाम वाले खेजड़िया में पुलिस चौकी हुई पुनः स्थापित

खेजड़िया, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। खेजड़िया में पुलिस चौकी को पुन: स्थापित करने मांग मुखर हो रही थी। आज जनता व खेजड़िया के ग्रामवासियो की मांग को देखते हुए मंदसौर पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुजानिया ने पुन: चौकी पर एक प्रधान आरक्षक तीन जवान की तैनाती कर दी है। बता दें कि आमजन के अपने दैनिक गुरु एक्सप्रेस ने इस संबंध में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था।

मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के खेजड़िया में पुलिस चौकी विशेषकर कंजरो से सुरक्षा की दृष्टि से स्थापित थी। परन्तु विधानसभा निर्वाचन 2023 में पुलिस बल की आवश्यकता को देखते हुये आचार संहिता के वक्त पुलिस बल को मंदसौर लगा दिया गया था। अब विधानसभा निर्वाचन परिणाम आने के लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी पुलिस चौकी खेजड़िया में पुन: स्थापित नही हो पाई थी।

खेजड़िया ओर आस- पास गांव के ग्रामीणों ने बताया चुनाव के पहले हमारे यहां पुलिस चौकी को हटाया गया। जिसे दो माह से भी ऊपर हो गये थे। पुलिस चौकी को हम सबकी तरफ से लगातार प्रयास भी किये जा रहे थे। पर कई दिन बीतने के बाद जनता मुखर हो गई। ग्रामीणो का कहना था कि इलाके में कंजरो का मूवमेंट भी रहता है। इसको देखते हुये चौकी पर एक- चार की गार्ड तैनात की गई। जैसे ही पुलिस चौकी पर जवानो को प्रभार मिला, ग्रामीणजनों को सुरक्षा मिली तो लोगो में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणजनों ने मंदसौर पुलिस कप्तान श्री सुजानिया का आभार माना और क्षेत्र के विधायक, जनपद सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधियो ओर दैनिक गुरु एक्सप्रेस की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया।

देश सहित मंदसौर में थमे बसों के पहिए

कई जगहों पर प्रदर्शन, हिट एंड रन कानून का विरोध

राजमार्ग पर लगी वाहनों की कतार, शहर में भी दिखा हड़ताल का असर

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। समूचे देश, प्रदेश सहित जिलेभर में कई जगहों पर चक्काजाम और नारेबाजी... वाहनों की लंबी कतारें, तो पुलिस की मशक्कत...परेशान यात्री...यह नजारा था राजमार्ग सहित शहर की कई सड़कों का। मामला था हिट एंड रन के विरोध में हड़ताल और प्रदर्शन का। शहर के दोनों बस स्टैंड पर बस चालकों एवं परिचालकों ने बसों को सुबह से एक जगह खड़ा कर दिया था। जिलेभर में चालकों एवं परिचालकों ने नए कानून को काला कानून बताते हुए जमकर प्रदर्शन किया। बसों के नहीं चलने से यात्री भी परेशान होते रहे। इधर टेंपो सहित अन्य वाहनों के भी पहिए थम गए। राजमार्ग पर हुए प्रदर्शन के चलते वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान पुलिस को खासी मशक्कत करना पड़ी।

दरअसल हिट एंड रन केस को लेकर पहले से कानून है। लेकिन, अब केंद्र सरकार नया कानून लेकर आई है। अभी तक हिट एंड रन में ड्राइवर की थाने से जमानत हो जाती है साथ ही दो साल की सजा का प्रावधान भी है। लेकिन, अब इसमें वाहन चलाने वाले ड्राइवरों को अधिकतम 10 साल की सजा होगी। इसके साथ ही 7 लाख जुर्माना लगाने का प्रावधान भी किया गया है। इस कानून के लागू होने के बाद से कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

वाहन चालकों का कहना...

प्रदर्शन कर रहे चालकों और वाहन मालिकों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि 50 लाख तक का भारी जुर्माना और 10 साल की सजा का प्रावधान वाले काले कानून को वापस लिया जाए। चालकों का कहना था कि कोई भी चालक जानबूझकर दुर्घटना नहीं करता। नए कानून में गलती से यदि चालक से कोई हादसा हो जाता है तो उसका और उसके परिवार का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। वाहन मालिक संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वाहन चालक और परिचालक साथी संविधान के हर नियमों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन, हिट एंड रन केस के नए प्रावधान से चालक साथियों का जीवन बर्बाद हो जाएगा। हमें अपने हितों की लड़ाई खुद को लड़ना पड रही है। सोमवार चालक और परिचालक सभी साथ मिलकर पूरी ताकत के साथ विरोध कर रहे है। मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधान को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्र सरकार के परिवहन मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद एवं विधायक के नाम ज्ञापन दिया है।

उठावना एवम् शोक निवारण

हमारे पूज्य पिताजी, डा.अशोक भाचावत के काकाजी, इष्टा भाचावात के ताऊजी, कनिष्क, सारांश ,खुश के दादाजी अभिभाषक

श्री मनसुखलाल जी भाचावत

का स्वर्गवास दिनांक 31.12.23 को हो गया है, जिनका उठावना दिनांक 3.1.24 बुधवार को प्रातः 10.30 बजे एवम शोक निवारण 11 बजे राजेंद्र परिणय रिसोर्ट मंदसौर पर रखा गया है।

-// शोकाकुल //-

मंगेश भाचावत एडवोकेट, अनिल भाचावत,
मनोज भाचावत, एवम भाचावत परिवार

भाचावत ट्रेड विजन प्रा. लि. मंदसौर / नीमच

विचार-मंथन

हिमाचल प्रदेश में जाम से परेशान लोग

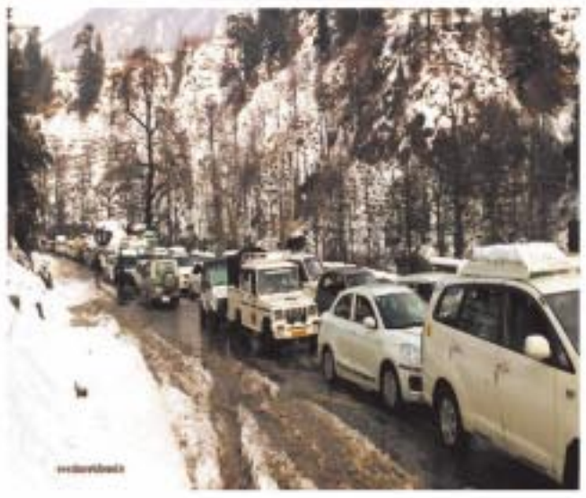

हिमाचल प्रदेश के शिमला में भारी तादाद में लोगों के पहुंचने को पर्यटन के लिहाज से एक अच्छी खबर के तौर पर देखा जा सकता है। यों भी पहाड़ों के बीच बसे तमाम इलाकों में पर्यटकों का जाना अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहा है, लेकिन क्या इसकी कोई सीमा है? पिछले कुछ वर्षों के दौरान जिस तरह हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्यों में खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों का आनंद उठाने के लिए पहुंचे लोगों की संख्या में जिस तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, उससे आर्थिक मोर्चे पर इन राज्यों को लाभ हो सकता है, मगर इस वजह से जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उससे इन इलाकों में बहुस्तरीय मुश्किलें ही पैदा होंगी। नए वर्ष का जश्न मनाने के मौके पर मनाली सहित आसपास के कई इलाकों में पहुंचे लोगों और उनके हजारों वाहनों से सड़कों पर लगा लंबा जाम यही बताता है कि लोगों के भीतर घूमने की भूख तो पैदा हुई है, मगर वे इसके संतुलन के अलग-अलग पक्षों को समझने की जरूरत नहीं समझ रहे। कुछ दिनों के लिए किसी खूबसूरत प्राकृतिक स्थल की ओर जाने का क्या हासिल, अगर वहां पहुंची भीड़ ही एक मुसीबत का कारण बन जाए? दरअसल, भीड़भाड़ वाले शहरों और महानगरों में रहने वाले बहुत सारे लोगों को यह लगता है कि दिन-रात कामकाज और तनाव से राहत पाने के लिए उन्हें वादियों में बसे मनोरम इलाकों में जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्राकृतिक सौंदर्य से लैस पहाड़ी इलाकों में जाना सबके लिए सुकूनदेह साबित होता है। लेकिन इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि प्रकृति की जिस खूबसूरती का सुख लेने लोग पहाड़ों की वादियों में जाते हैं, वही वजह उन इलाकों की प्राकृतिक संरचना के नुकसान पहुंचने की वजह बन रही है। यह किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश या उत्तराखंड जैसे राज्यों में बसे पर्यटन के लिहाज से सुंदर इलाकों में जाने वाले लोग अपने मुताबिक घूमते तो हैं, लेकिन इस क्रम में वहां के अनुकूल अपनी गतिविधियों को नियंत्रित नहीं रख पाते।इसमें अराजक तरीके से खुले स्थानों पर खानपान के बाद पानी के बोतल सहित अन्य कचरे जिस तरह फेंक दिए जाते हैं, वे समूचे पहाड़ी क्षेत्र में आज एक गंभीर समस्या बन चुके हैं। सवाल है कि इससे उपजे प्रदूषण की वजह से वे इलाके कब तक प्राकृतिक रूप से इतने सुंदर रह पाएंगे कि लोग वहां जाने को लालायित हों! इसके अलावा, कुछ खास महीनों में लोगों की बढ़ती भीड़ आज इन खूबसूरत, मगर नाजुक पहाड़ी स्थलों की मुसीबत बनती जा रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मनाली, शिमला और नैनीताल जैसे कुछ इलाकों में पहले ही क्षमता से अधिक बोझ है। ऐसी खबरें आ चुकी हैं, जिनमें बताया गया है कि बढ़ती आबादी और पर्यटकों के बोझ की वजह से पहाड़ों पर बसा शिमला धीरे-धीरे धंस रहा है। दरअसल, पहाड़ों की बनावट से लेकर वहां की भू-संरचना एक तय सीमा में ही बोझ को बर्दाश्त करने की स्थिति में है। मगर एक साथ लाखों लोगों और वाहनों के पहुंचने से बने बोझ का असर वहां के नए पहाड़ों पर पड़ता है। फिर पर्यटकों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए पहाड़ों को पहले के मुकाबले ज्यादा काट कर चौड़ी सड़कें बनाई गईं, भारी संख्या में होटल खोले गए। इस सबका असर पहाड़ के ढांचे पर पड़ा है। यह बेवजह नहीं है कि अब आए दिन पहाड़ों के धंसने या भूस्खलन के बड़े मामले सामने आने लगे हैं। शिमला सहित अन्य पहाड़ी इलाकों में लोगों के बोझ की वजह से जमीन धंसने या भूस्खलन की घटनाएं भविष्य का संकेत देने के लिए काफी हैं।

आखिर पाकिस्तान बदहाल क्यों है...

बलबीर पुंज

आखिर पाकिस्तान बदहाल क्यों है? 1947 में खूनी विभाजन के बाद खंडित भारत जहां चांद पर पहुंच गया, वहीं एक चौथाई भारतीय भूखंडों को काटकर बनाया गया पाकिस्तान क्यों इतना पिछड़ गया? आखिर पाकिस्तान इस हाल में कैसे पहुंचा? इसका संकेत पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी में मिल जाता है। बीते दिनों नवाज ने अपने देश में मंडराए आर्थिक संकट के लिए सैन्य प्रतिष्ठान पर निशाना साधते हुए कहा, ''नकदी संकट से जूझ रहे देश की परेशानी के लिए न तो भारत जिम्मेदार है और न ही अमरीका, बल्कि हमने अपने पैरों पर स्वयं कुल्हाड़ी मारी है।'' इसका निहितार्थ क्या है? पाकिस्तान की वर्तमान आर्थिक स्थिति क्या है? कंगाली की चौखट पर पहुंचा पाकिस्तान गले तक कर्ज में डूबा हुआ है। पुराना कर्ज चुकाने के लिए या तो उसे नया कर्ज लेना पड़ रहा है या फिर अपने नागरिकों पर इसका बोझ कभी तेल की कीमतों को बढ़ाकर, तो कभी बिजली की दरों में वृद्धि करनी पड़ रही है। स्थिति यह हो गई है कि खाने-पीने की चीजों के मूल्यों में बढ़ोतरी और गैस की आसमान छूती कीमतों के चलते पाकिस्तान में संवेदनशील मूल्य सूचकांक (एस.पी.आई.) 42.6 प्रतिशत तक बढ़ गया। पाकिस्तान में चीनी, चाय, चिकन, आटा और चावल सहित अधिकतर आवश्यक वस्तुएं महंगी हो गई हैं।

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, यह लगातार छठा सप्ताह है, जब साप्ताहिक मुद्रास्फीति सूचकांक 41 प्रतिशत से ऊपर है। बीते दिनों पाकिस्तान में बिजली बिल बढ़ाने पर आम जनता सड़कों पर उतर आई थी। तब हालात गृह युद्ध जैसे हो गए थे। पाकिस्तान में नकदी किल्लत इतनी विकराल है कि संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) की सरकार ने उसकी तंगहाली पर तरस खाकर मुफ्त में प्रदूषण से बचने हेतु कृत्रिम वर्षा करवाई। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो प्रदूषण से लोगों को मुक्ति दिलाने हेतु पाकिस्तान सरकार ने 35 करोड़ रुपए का अनुमान जताया था। इस संबंध में पाकिस्तान अपने मित्र चीन की ओर टकटकी लगाए देख रहा था कि वह लाहौर में कृत्रिम बारिश कराएगा। परंतु चीन की बजाय यू.ए.ई. ने एक फूटी कौड़ी भी लिए बिना यह काम कर दिया। वास्तव में, पाकिस्तान नकारात्मक चिंतन से जनित विफल 'राष्ट्र' है। कहने को यह इस्लाम के नाम पर बना, परंतु इसकी मांग के पीछे इस्लाम के प्रति प्रेम कम, 'काफिर' हिंदुओं-भारत की 'कुफ' बहुलतावादी सनातन संस्कृति के प्रति घृणा अधिक थी, जो अब भी व्याप्त है। अपनी इसी मानसिकता के कारण पाकिस्तान, उस साम्राज्यवादी चीन का पिछलग्गू बना हुआ है, जो भारत को अपना एक बड़ा शत्रु समझता है। यह स्थिति तब है, जब विश्व के किसी देश की सरकार द्वारा मुसलमानों का उत्पीड़न करने के मामले में चीन घोषित रूप से कुख्यात है। शिनजियांग में एक करोड़ से अधिक मुस्लिमों का राजकीय दमन इसका उदाहरण है। द्वेष प्रेरित जनमानस को किसी के खिलाफ एकजुट तो कर सकते हैं, परंतु उनके सकारात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु भागीदार बनना कठिन है। यह दर्शन उन मूल्यों-जीवनशैली का अंधा-विरोध है, जो भारत को अनादिकाल से परिभाषित करते आए हैं। पाकिस्तान स्वयं को खंडित भारत से अलग, मध्यपूर्व एशिया-खाड़ी देशों से निकट दिखाने हेतु प्रयासरत है। पाकिस्तान में 40 प्रतिशत से अधिक लोगों के पंजाबी भाषी होने के बाद भी विदेशी फारसी भाषा में कौमी तराना (राष्ट्रगान) होना इसका प्रमाण है। वास्तव में, पाकिस्तान उस मूर्ख पड़ोसी की भांति है, जो अपने घर में आग इसलिए लगा लेता है, ताकि उसका पड़ोसी भी धुएं के कारण संकट में आ जाए। एक तो पाकिस्तानी वैचारिक अधिष्ठान की भारत-विरोधी मानसिकता, उसपर इस इस्लामी देश का सत्ता-प्रतिष्ठान (पाकिस्तानी सेना सहित) भारत से 1971 का बदला लेने हेतु 'हजार घाव देकर मौत के घाट उतारने' संबंधित नीति का अनुसरण कर रहा है। वह अपने संसाधनों का बहुत बड़ा हिस्सा प्रशिक्षित आतंकवादियों को तैयार करने पर व्यय कर रहा है। 'खालिस्तान' के नाम पर सिख अलगाववाद को हवा देना, 1980-90 के दशक से कश्मीर में स्थानीय मुस्लिमों को इस्लाम के नाम पर हिंदुओं-सिखों और भारतपरस्त मुसलमानों की हत्या करने को प्रोत्साहित करना, वर्ष 2001 के संसद जिहादी हमले, 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले सहित दर्जनों जेहाद (उदयपुर-अमरावती हत्याकांड सहित) में भूमिका और सीमा पार से आतंकवादियों की घुसपैठ इसका परिणाम है। चूंकि पाकिस्तान ने अपने वैचारिक अधिष्ठान के अनुरूप असंख्य जेहादियों को तैयार किया है, उससे न तो स्थानीय जनमानस सुरक्षित है और न ही निवेशक-उद्यमी। पाकिस्तान ने अपनी वैचारिक कोख से जिन हजारों-लाखों जेहादियों को पैदा किया, वह उसके लिए भी 'भस्मासुर' बन रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पनपाए आतंकवाद ने दीन के नाम पर 2002-14 के बीच ही 70,000 पाकिस्तानियों को मौत के घाट उतार दिया। खंडित भारत में मोदी सरकार आने के बाद जिस प्रकार भारत के सामरिक-रणनीतिक दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन आया है, उससे सीमापार घुसपैठ में भारी गिरावट देखने को मिली है। परिणामस्वरूप, पाकिस्तानी जिहादी अब अपनी 'शुद्ध-भूमि' को और अधिक स्वाह करने में लगे हैं। यूं कहें कि तकनीकी क्रांति के युग में पाकिस्तानी आतंकी भी 'वर्कफ्रॉम होम' में व्यस्त हैं। क्या नवाज शरीफ के कारण भारत-पाकिस्तान के संबंधों में कोई आमूलचूल परिवर्तन आएगा या फिर पाकिस्तानी सेना का वर्चस्व कम होगा? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से 'न' है। सच तो यह है कि जिस पाकिस्तानी सेना पर नवाज अपने मुल्क लौटने के बाद बरस रहे हैं, उन्हीं की अनुकंपा से नवाज की वतन-वापसी संभव हो पाई है। यही नहीं, जिन फ्लैगशिप, एवेनफील्ड और अल-अजीजिया स्टील मिल संबंधित भ्रष्टाचार मामलों में नवाज एकाएक बरी हुए हैं, उनकी पटकथा स्वयं पाकिस्तानी सेना ने ही लिखी थी। नवाज, 3 बार 1990-93, 1997-99 और 2013-17 पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे हैं। सच तो यह है कि नवाज के शासन के दौरान भी पाकिस्तानी सत्ता अधिष्ठान के समर्थन से जेहादियों द्वारा कश्मीर में हिंदुओं का नरसंहार (1991), कारगिल युद्ध (1999) और पठानकोट पर आतंकवादी हमला (2016) हुआ था।

भलाई करने से मिलती है आत्मिक सुख- शांति

अलका 'सोनी'

यह एक स्वयंसिद्ध सच्चाई है कि महत्त्वपूर्ण जीवन जीने का मतलब है जितना संभव हो, उतने महत्त्वपूर्ण क्षण को जीना है। मगर एक महत्त्वपूर्ण क्षण क्या है? हम हर दिन सुबह जागते हैं एक नए दिन के साथ, पूरी एक अंधेरी रात बिताने के बाद, लेकिन जागते ही हम लग जाते हैं अपने दैनिक कार्यों को निबटाने में। हमें इतनी भी फुर्सत नहीं होती कि दो पल रुक कर सोचें कि यह नया दिन क्यों मिला हमें! हमें वह नया दिन मिलता है बदलाव लाने और महत्त्वपूर्ण क्षण बनाने के लिए। कुछ नया और सकारात्मक करने के लिए। हां, अब इस नए की परिभाषा सबके लिए अलग-अलग हो सकती है, क्योंकि एक व्यक्ति के लिए जो बात महत्त्वपूर्ण है, वह दूसरे के लिए नहीं हो सकती है। या जो चीज किसी के लिए एक बार महत्त्वपूर्ण थी, वह वर्षों बाद उसी रूप में महत्त्वपूर्ण नहीं रह सकती है। क्षण, क्षणभंगुर और संक्षिप्त होता है। हम आमतौर पर उन्हें उस छोटी अवधि में महत्त्वपूर्ण नहीं मानते हैं। उसका महत्त्व उस क्षण के बीत जाने के बाद ही पता चलता है। फिर भी, जो चीज एक क्षण को महत्त्वपूर्ण बनाती है, वह उसका व्यक्तिगत प्रभाव है, जिसे केवल किसी व्यक्ति की आत्मा के मूल में ही मापा जा सकता है। हम यह सोचते हैं कि जीवन का महत्त्व प्रसिद्धि, भाग्य, उपाधियों और उपलब्धियों से मापा जाना चाहिए। यानी जो जितना समृद्ध, वह उतना महत्त्वपूर्ण। यह तो हमारा ही बनाया हुआ मीटर है, जिससे हम बाकी सबको मापते रहते हैं। दरअसल, हमारा महत्त्व इस बात में नहीं है कि हम खुद को ऊपर उठाने के लिए क्या करते हैं, बल्कि इसमें है कि हम दूसरों को ऊपर उठाने में मदद के लिए क्या करते हैं। दूसरों को खुश होने के कितने क्षण दे पाते हैं! अगर हम प्रत्येक दिन को नई शुरुआत के रूप में देखते हैं, तो हम अधिक खुश, अधिक ऊर्जावान और अधिक प्रेरित महसूस करेंगे। हमारे जीवन का हर दिन एक नई शुरुआत है, न कि साल का पहला दिन। अब जो आखिरी मुकाम पर पहुंचे वर्ष के आखिरी दिन हैं, वे भी। दैनिक जीवन की ये बहुत छोटी-छोटी बातें हैं, लेकिन यही हमें अपने आसपास के जीवन से जुड़ना सिखाती हैं। किसी की भलाई करने पर जो आत्मिक शांति और सुख मिलता है, उसके सामने उन ऐंद्रिक सुखों की कोई तुलना नहीं, जिसे आज दुनिया भूलते जा रही है। यहां 'नए' शब्द से किसी नए फैशन का अर्थ नहीं है, जिसे आनन-फानन में खरीदा और पहन लिया। यह एक आदत है, जिसे अपने अंदर विकसित करने की आवश्यकता होती है। अगर हम अपने घर के पास काम करने वाले मजदूरों को इस ठंड के मौसम में एक प्याला चाय दे सकते हैं या फिर सामने अमरूद के पेड़ पर फल खाने आई चिड़िया, जो डाल पर दुबक कर बैठी हुई है या अगर हम एक छोटा-सा कपड़ा उसकी टहनी पर रख सकते हैं, जिससे इन्हें छोटी-सी मदद मिल सकती है, या अगर हम यह करने की सोच रहे हैं तो यह दुनिया के लिए एक शुभ संकेत है। यह धीरे- धीरे हमारी आदत में शुमार होता चला जाएगा। यह शुरू में कुछ अटपटा लग सकता है, लेकिन असंभव कतई नहीं है। बस कोशिश करने की जरूरत है। हमारे आसपास के पेड़ों पर कितनी चिड़ियां, गिलहरियां और तितलियां आती हैं, लेकिन जब वही पेड़ संकट में पड़ जाता है, यानी जब उसे काटा जाता है तो उन चिड़ियों, गिलहरियों या तितलियों का क्या होता है? कहां जाती हैं वे सब? ऐसे में अगर हम उस पेड़ को कटने से बचाने की छोटी-सी भी कोशिश करते हैं तो बस यही एक नई शुरुआत है। हम सबके जीवन से एक वर्ष लगभग जा चुका है और नया वर्ष आ चला है। प्रकृति ने हमें एक और मौका दिया है। एक और सुअवसर दिया है कुछ करने का। यह इस बात को समझने का भी एक मौका है कि केवल सांसों को लेना और छोड़ना ही जीवन नहीं है। जीवन तो इन सांसों के बीच में ही कहीं है। बस उस क्षण को पकड़ने की जरूरत है, क्योंकि मनुष्य के रूप में हमें वह क्षमता मिली है जो किसी अन्य जीव में नहीं है। इन क्षमताओं का उपयोग हम अन्य मनुष्यों के और जीवन के अन्य रूपों की भलाई के लिए कर सके तो ही हमारा जीवन सार्थक माना जाएगा। इस तरह का जीवन जीने के लिए सबसे पहले हमें अपने अंदर की कमजोरी से लड़ना होता है। किसी भी मनुष्य की वास्तविक प्रकृति का यही अनिवार्य हिस्सा है। यह वर्ष बीत चुका है। हम सबने एक लंबी रात बिता दी है। अब नया सवेरा सामने है, जिसका स्वागत पूरे दिल से करने की जरूरत है। दृढ़ संकल्प के साथ कि आने वाला वर्ष हम सबके लिए महत्त्वपूर्ण हो।

अपराधों की चिंताजनक तस्वीर, महिलाओं के प्रति क्राइम में नहीं आई कोई कमी

महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। 'एनसीआरबी' (राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो) की नवीनतम रिपोर्ट में एक बार फिर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 4,28,278 और 2020 में 3,71,503 था। महिलाओं के विरुद्ध आपराधिक घटनाओं के ये मामले 2021 की तुलना में करीब चार प्रतिशत ज्यादा हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि सरकार महिला सशक्तिकरण का कितना भी दावा करे, वास्तविकता यही है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के मामलों में कोई सुधार नहीं आया है। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर सर्वाधिक बताई गई है। दूसरे राज्यों के मुकाबले उत्तरप्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में सर्वाधिक प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध में दिल्ली लगातार तीसरे साल 19 महानगरों में सबसे आगे है। सभी राजनीतिक दल चुनावों में घोषणा करते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे महिलाओं की सुरक्षा हर स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। महिलाओं के प्रति अपराधों पर 'एनसीआरबी' के आंकड़ों से साफ पता चलता है कि महिलाएं स्वयं को कहीं भी सहज और सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। देश में शायद ही कोई ऐसा राज्य हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी न हुई हो। विडंबना है कि महिलाओं पर अपराध के मामलों में अधिकतर पति, प्रेमी, रिश्तेदार या कोई अन्य करीबी शख्स ही आरोपी निकले। इन मामलों में महिलाओं के पति या रिश्तेदारों द्वारा 31.4 फीसद क्रूरता, 19.2 फीसद अपहरण, 18.7 फीसद बलात्कार की कोशिश और 7.1 फीसद बलात्कार करने के मामले शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में बलात्कार के कुल 31,516 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सर्वाधिक 5399 मामले राजस्थान में, 3690 मामले उत्तरप्रदेश, 3029 मध्यप्रदेश, 2904 महाराष्ट्र और 1787 मामले हरियाणा में दर्ज किए गए। महिलाओं के प्रति अपराध के मामले में देश की राजधानी दिल्ली सबसे आगे है, जहां 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 14247 मामले दर्ज किए गए। दिल्ली और राजस्थान जहां महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य है, वहीं दहेज के लिए जान लेने वालों में पहले स्थान पर उत्तरप्रदेश और दूसरे पर बिहार है। उत्तरप्रदेश में दहेज के लिए 2138 और बिहार में 1057 महिलाओं की हत्या कर दी गई, जबकि मध्यप्रदेश में 518, राजस्थान में 451 और दिल्ली में 131 महिलाओं की हत्या दहेज के लिए की गई। 'एनसीआरबी' के अनुसार प्रति एक लाख जनसंख्या पर महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसद से बढ़कर 2022 में 66 फीसद हो गई, जिसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48,755 मामले दर्ज किए गए। ये 2021 के 43,414 मामलों की तुलना में 12.3 फीसद ज्यादा हैं। महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों को लेकर अब सबसे बड़ा सवाल यही है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5103

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5102

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5103

संकेत: बाएं से दाएं

1. 26 जनू 2000 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल द्वारा इस देश को टेस्ट का दर्जा दिया गया (4)
4. बसा हुआ, बस्तीवाला, संपन्न (3)
6. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित करने की क्रिया या भाव (5)
8. वर्षा के जल को यह कहते है (2)
10. कलम से लिखा हुआ, कलम काटकर लगाया हुआ (3)
12. रिक्त स्थान की पूर्ति करना (3)
13. महिला, स्त्री, नारी (3)
15. नमूने के तौर पर बनाया हुआ, खुरदरा (2)
16. आश्चर्य से भरा हुआ, विस्मित (4)
17. फौज में रहने वाला, फौज का (2)
18. स्याही को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
20. पुराणानुसार ब्रह्म पर्वत से निकलकर गंगा नदी में मिलने वाली एक तीन नाम की एक नदी (2)
23. यह लेबनान की राजधानी है जो प्रमुख बंदरगाह भी है (2)
24. मवेशी, पशु, ढोर (4)

ऊपर से नीचे

1. आलिंगन करना, गले लगाना (6)
2. प्रदान करना, प्रदत्त करना, सौंपना (2)
3. शमन करने वाला, शांत करने वाला (3)
4. बी.आर चोपड़ा की फिल्म जिसमें धर्मेंद्र, फिरोज खान, रेखा आदि की भूमिकाएं थीं (8)
5. राजद्रोही, बगावत करने वाला (2)
7. पंचतत्वों में से एक, वायु, अग्नि (2)
9. अक्षर, वर्ण (3)
11. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
14. प्रशासनकर्मी, प्रशासक (3)
16. जिसे जीता न जा सके (3)
19. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, दीर्घ मात्रा, नव ग्रहों में से एक (2)
22. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)

वर्ग पहेली 5102 का हल

शु	मि	त्रा	न	द	न	पु	त
न		स	ब	ल		ज्ञा	त
य	म		र	प	ट		ब
ना	न	क		ति		आ	ग
	दां		श		स	म	र
	छि	त	रा	ना		द	
सा	त		फ	ल		र	स
धी		दु	त		द	फा	र

काले सोना पर सफेद फूल की बहार

अफीम की फसल पर आए फूल, जनवरी अंत और फरवरी के पहले सप्ताह में लगेगा चीरा, 175 लाइसेंस धारी किसान

कुचड़ोद, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव में अफीम की फसल पर फूल आने लगे। यह डोडे का आकार लेंगे। इसके बाद इसमें चीरा लगाया जाएगा। जो जनवरी अंत या फरवरी के पहले सप्ताह में चीरा लगाने की शुरुआत होगी। किसान फसल को नवजात शिशु की तरह पाल पोस कर बड़ा कर रहे है। अफीम की फसल की सुरक्षा किसान इस तरह से कर रहे की जंगली जानवर पशु पक्षियों से पूरी तरह से बचाव हो सका वही पाले से सुरक्षा के लिए फसल के चारों ओर मक्का की फसल लगाकर सुरक्षा के इंतजाम कर रहे। किसानों ने अफीम के चारों ओर लोहे की जाल भी लगाई, ताकि जंगली जानवर एवं पशु अंदर नहीं जा सके और फसल में नुकसान नहीं कर सके। वही डोडे आने के बाद पक्षी तोते काफी नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे बचाव के लिए किसानों ने अफीम फसल के ऊपर नेट की जाल बांधी। किसानों के अनुसार फसल बुवाई से लगाकर चीरा लगाकर फसल उपज घर आने तक, दस आरी क्षेत्रफल में हकाई जुताई, निंदाई गुडाई, रासायनिक खाद, बीज, स्प्रिंकलर, आसपास लोहे की जाल, ऊपर नेट की जाल, अंदर फसल आडी ना हो जिसके लिए फसल के अंदर भी डोरियां एवं लुनाई चिराई तक कुल खर्च डेढ लाख के करीब हो जाता है।

कुचडोद के जागरूक किसान बद्री लाल ओझा कुमावत ने बताया, अफीम की फसल में फूल आ गए अब डोडे बनेंगे। जनवरी अंत या फरवरी के पहले सप्ताह में चिरा लगेगा। अफीम की फसल में काफी खर्च आता है। वर्तमान में फसल 2 फीट के करीब हो गई। 2 फीट और बढेगी। अफीम की फसल में करीब 10 बार सिंचाई करना पडती है। वही इतनी ही बार दवाई का छिडकाव करना पडता है। अच्छी फसल के लिए प्रकृति का साथ देना जरूरी है। इस बार पहले काफी गर्मी पडी जिसके कारण फसल में बीमारी का प्रकोप देखा गया। वहीं अब कोहरे के कारण काली मस्सी का प्रकोप दिखने लगा है। फसल को नवजात शिशु से बढकर पाल पोस कर बडा करते हैं। फसल बुवाई से अंत तक निगरानी रखना पडती है। वहीं अब जंगली जानवर रोजडे काफी तादात में हो गए। इनसे बचाव के लिए फसल के चारों ओर मजबूत लोहे की जाल लगाना पडती है। वही डोडे आने पर पक्षियों तोते से सुरक्षा के लिए फसल के ऊपर नेट की जाल लगाई गई। इससे पक्षी नुकसान नहीं कर पाएंगे। वही चीरा लगने के दौरान पश्चिम से तेज हवाएं चलती है। इसलिए फसल के अंदर भी दो बाय दो फिट की डोरिया लोहे के तार लगाकर बांधे गए। ताकि फसल आडी ना पड़े। वही फसल के चारों ओर मक्का की फसल लगाई। ताकि शीतलहर के कारण फसलों पर ओस की बूंदे नहीं जम पाए। पाला गिरे तो फसल में नुकसान ना हो। अफीम की फसल में काफी खर्च आने लगा। बुवाई से लगाकर अंत तक सभी खर्च जोडे तो सवा लाख से डेढ लाख तक का खर्च बैठता है। चीरा लगाने के ही मजदूरों को 500 से 600 दिन के देना पडते हैं। जिसका खर्च ही 25 से 30 हजार हो जाता है। पोस्ता के भाव अच्छे मिल जाए, तो मजदूरी मिल जाती है। अन्यथा अफीम के भाव तो काफी काम है। 975 से 18 सो रुपए प्रति किलो के भाव से मिलते हैं। जो उंट के मुंह में जीरा के समान है। सरकार को अफीम में लागत को देखते हुए भाव में वृद्धि करना चाहिए। ताकि किसान को मुनाफा मिल सके। गांव में 175 लाइसेंस। जिसमें 64 में लगेगा चीरा। बाकी सीपीएस पद्धति के लाइसेंस है। अफीम लंबरदार मुखिया प्रेम सिंह पंवार ने बताया, गांव में 175 लाइसेंस अफीम के पट्टे हैं। जिसमें 64 पट्टे में ही चीरा लगेगा। बाकी सीपीएस पद्धति के हैं। ऐसे पट्टे में चीरा नहीं लगाया जाता है। इन किसानों को नारकोटिक्स विभाग को 8 इंच डंटल सहित डोडे तुलवाना जरूरी है।

शासन की योजनाओं का घर बैठे मिले लाभ-सांसद

विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुची नाटाराम, ग्रामीणों ने किया स्वागत

नाटाराम/सीतामऊ, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शासन की योजनाओं का लाभ अब आपको घर बेठे मिल रहा है। अधिकारी कर्मचारी विकसित भारत संकल्प यात्रा के दोरान प्रत्येक ग्राम पंचायत मे पहुच रहे और शासन की योजनाओ का लाभ पात्र लोगो को दे रहे है। यही रामराज्य की परिकल्पना को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने यही यात्रा प्रारंभ की है। यह बात मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र के सासद सुधीर गुप्ता ने नाटाराम में कही। श्री गुप्ता ने कहा की 16 विभाग केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर शिवीर का आयोजन कर निराकरण कर रह है। इस अवसर पर सांसद श्री गुप्ता ने राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग , कृर्षि विभाग, शिक्षा विभाग, उद्यान विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, इण्डेन गैस वितरक, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, पशुपालन विभाग के अधिकारियों से योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

आयुष्मान कार्ड को लैकर की प्रंशसा- मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति के प्रयास से घर-घर जाकर निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाएं गये थे, जिससे नाटाराम पंचायत में सभी के सहयोग से 3097 आयुष्मान कार्ड बने है। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा की 5 लाख रू तक का इलाज इससे मुफत मे हो रहा है। इस कार्य की सासंद श्री गुप्ता द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई। इस अवसर पर सासंद सुधीर गुप्ता के हाथों से एवं नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक द्वारा बाबु मंसुरी एवं शहजाद को आयुष्मान कार्ड वितरीत किये गये।

ग्राम पंचायत को मिला ओडीएफ का पुरूस्कार- विकसित भारत संकल्प यात्रा के दोरान सांस्कृतीक कार्यक्रम करने वाले बच्चों को पुरूस्कृत किया गया। नन्हीं बालिका सोम्या द्वारा किये नृत्य पर सभी अतिथियों द्वारा पुरूस्कृत किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत नाटाराम को ओ डीएफ का प्रमाण पत्र सरपंच बापुलाल जाट, सचिव प्रेमसिहं राठौर एवं सहायक सचिव हरिओम गंधर्व को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पुर्व मण्डल अध्यक्ष जगदीश परमार, मण्डल अध्यक्ष भारतसिंह डांगी, भोपालसिह मण्डलोई, सरपंच बापुलाल जाट, उपसरपंच गोविद पाटीदार, पुर्व सरपंच राधेश्याम जाट, जनपद सदस्य प्रतिनिधी राजु गणपत जाट, दिलीप गुप्ता, ईश्वरलाल माली, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शिवानी गर्ग, तहसीलदार , जनपद पंचायत सीतामऊप्रभाशुसिंह राजपुत, उपयंत्री मुकेश सेनी, हेमन्त गोड, सचिव प्रेमसिंह राठौर, सहायक सचिव हरिओम गंधर्व, टीना वर्मा , ममता चैहान सहित कर्मचारी अधिकारी उपस्थीत थें।

कलेक्टोरेट में नव वर्ष के प्रथम दिवस...

राष्ट्रगान, मप्र गान एवं वन्दे मातरम का गायन हुआ

नीमच, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में सामुहिक राष्ट्रगॉन एवं वंदेमातरम के गायन से नववर्ष में कार्यो की शुरूआत हुई। राष्ट्रगॉन एवं वन्दे मातरम का गायन कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद, सुश्री प्रिती संघवी, डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव साहू, सुश्री किरण आंजना, एसडीएम नीमच डॉ.ममता खेडे की उपस्थिति में हुआ।

इस अवसर पर कलेक्ट्रेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्रगॉन एवं वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात शासकीय कार्यो की शुरूआत की गई। कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, आदिम जाति कल्याण, आबकारी, खनिज, शिक्षा, कोषालय, पुलिस विभाग, जिला जनसम्पर्क, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जिला जैल में निरूद्ध बंदियों के स्वस्थ मनोरंजन के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला जैल मंदसौर में नववर्ष 2024 के उपलक्ष्य में आशाश्री प्रोडक्शन द्वारा निरुद्ध बंदियों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। आशाश्री प्रोडक्शन के डायरेक्टर अमित परमार के निर्देशन में यूट्यूब चैनल के मुख्य सीरियल भैरू सरपंच का आशाश्री प्रोडक्शन की टीम के द्वारा मंचन किया गया। इस मंचन को सभी के द्वारा खूब पसंद किया गया। इसके साथ ही कलाकारों द्वारा हास्य कविता पाठ और फिल्मी गीत भी प्रस्तुत किये जिस पर जैल में निरूद्ध श्रोता बहुत झूमे। कार्यक्रम में निरूद्ध बंदी भाई खुद को नहीं रोक सके और उनके द्वारा अपनी प्रस्तुतियां दी गई जिसे सराहा गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला जैल अधीक्षक श्री प्रेमकुमारसिंह ने कहा कि जैल कैदियों का यह वर्ग समाज से अछूता रहता है इसलिये इनके मनोरंजन के लिये ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहना चाहिये। आपने आशाश्री प्रोडक्शन से आव्हान किया कि आगे भी ऐसे आयोजन जिला जैल में किये जाये। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री हर्षसिंह बहरावत द्वारा व्यक्त किया गया की जैल में निरुद्ध बंदी अपने घर परिवार से दूर एकांकी जीवन जीते हैं जहां उनके पास मनोरंजन के बहुत कम साधन उपलब्ध हो पाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमारा यह उद्देश्य था की नववर्ष का उत्सव जेल बंदियों के बीच मनाया जाकर उन्हें भी हम सब अपनी खुशियों में सम्मिलित करें। कार्यक्रम में आशाश्री प्रोडक्शन के डायरेक्टर अमित परमार, विमल गुर्जर, मुकेश गायरी, प्रीति कुमावत, संगीता अहिरवार, हेमन्त कछावा, जुगल अहिरवार, मनोज अहिरवार, नरेन्द्र सागोरे, कामेश राठौर, नंदकिशोर राठौर, सुरेश पंडित, बद्रीलाल माली, पवन सुनार्थी, नेहा सेन, गोपाल कवि, फैनी जैन, सिमरन बेलानी, उदयसिंह, प्रियंक गौतम ने अपनी प्रस्तुतियां दी। अंत में आभार जिला जैल उप अधीक्षक सुभद्रा चौहान ने माना।

गायत्री परिवार ने शिवना शुद्धिकरण अभियान चलाया

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत इस बार भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर के समीप शिवना नदी की साफ सफाई की गई। श्रमदानियों ने प्रात: 9 से 11 बजे तक दो घण्टे तक श्रमदान कर शिवना नदी से गंदगी को हटाया गया। इस अवसर पर श्रमदानी बाबूलाल चौहान ने कहा कि जैसे हम भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के प्रति भाव रखते है उसी प्रकार हम मॉ शिवना के जल के प्रति भी भाव रखते हुए उसे अशुद्ध न करे। आपने कहा कि जल है तो कल है, जल का स्त्रोत नदी, बावडी, तालाब है जो साल भर हमें जल प्रदान करती है। लेकिन हम अपने स्वार्थ के चलते उन्हें गंदा कर रहे है। शिवना शुद्धिकरण अभियान में सभी सहभागिता कर शिवना को शुद्ध रखे। गायत्री परिवार के योगेशसिंह सोम ने कहा कि हमने 2009 से यह अभियान चला रखा है। जब भी शिवना में गंदगी दिखती है तो गायत्री परिवार अभियान चलाकर गंदगी को साफ करता है। गायत्री परिवार द्वारा यह अभियान 2026 तक चलाया जाएगा। सभी धार्मिक एवं राजनैतिक लोगों को भी जनहित के इस अभियान से जुडना चाहिए। हर्ष शर्मा ने कहा कि नगर के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह शिवना को शुद्ध रखे क्योंकि इसी नदी से सभी को पेयजल प्राप्त हो रहा है। नदी में कचरा व पूजा सामग्री डालने की जो आदत बनी हुई है उस आदत को बदलना होगा। जिस शिवना का जल श्रद्धालु आचमन कर पूजा अर्चना करते है हम उसी जल को हम गंदा करते है। गायत्री परिवार ने शिवना शुद्धिकरण का प्रभारी हर्ष शर्मा एवं रमेश सोनी को बनाया। शिवना शुद्धिकरण का अभियान रविवार को प्रात: 9 से 11 बजे तक चलेगा। गायत्री परिवार ने प्रशासन से निवेदन किया है कि नगरपालिका की टीम को दो घण्टे इस शुद्धिकरण अभियान में सम्मिलित करे। इस श्रमदान में सेवानिवृत्त सहायक कोषालय अधिकारी बी.एल. चौहान, फिरोज हुसैन, आमीर काजी, तरन्नुम हुसैन, हर्ष शर्मा, रमेश सोनी, योगेशसिंह, कमल आदि ने श्रमदान किया।

बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से किया सम्मानीत

नीमच, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्सामहित करने के लिए बेस्ट एम्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार योजना के माह दिसम्बर-2023 में उत्कृष्टा कार्य करने वाले 19 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार का वितरण कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर नीमच में किया गया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन, सुश्री नेहा मीना ने कलेक्टोरेट में आयोजित एक कार्यक्रम में 19 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार वितरण समारोह में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहायक ग्रेड-3 श्री उमेश यादव, शिक्षा विभाग के स.ग्रे.-3 श्री दिपक टेलर, श्री लालचंद गणावा, पुलिस विभाग के प्र.आर.58 श्री ज्ञानचंद यादव, प्र.आर.146 श्री रामपंगत, प्र.आर.451 श्री लक्की शुक्ला, जिला पंचायत के सचिव ग्राम पंचायत अमावली जागीर के श्री अशोक जैन, ग्राम पंचायत माण्डा जावद के श्री गोपाल प्रसाद टेलर, सचिव ग्राम पंचायत दुरगपुरा मनासा के श्री विष्णु मालवीय, कलेक्टर कार्यालय डूडा के दैनिक श्रमिक श्री गौरव आचार्य कुकडेश्वर, राजस्व विभाग के पटवारी श्री अनुराग पाटीदार, राजस्व विभाग मनासा के डाटा एन्ट्री ऑपरेटर श्री धमेन्द्र ग्वाला, उपखण्ड नीमच के पटवारी श्री कैलाश पाटीदार, पटवारी श्री पंकज श्रीवास्तव, रतनगढ के स.ग्रे.3 श्री विजय सिंह राजपूत एवं सिंगोली के सहायक ग्रेड-3 श्री राजेश बैरागी को शासकीय कार्यो के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने पर बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार से सम्माानित किया।

दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन की मीटिंग संपन्न

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। दशपुर अकाउंटेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश सोनी व सचिव ललित काबरा ने बताया की एसोसिएशन की एक आवश्यक मीटिंग अरिहंत टिफिन सेंटर दशरथ नगर पर आयोजित की गई। मीटिंग में बडी संख्या में एसोसिऐशन के सदस्य उपस्थित रहकर अपने विचार व्यक्त किये।

मीटिंग मे विभिन्न आवश्यक विषयों पर चर्चा हुई तथा सर्वानुमति से निर्णय लिये गये। मीटिंग में यशवंत पोखरना, चंद्रेश बाफना, अभय नाहर, हेमंत जैन, ललित काबरा, कैलाश सोनी, प्रभुलाल छाजेड, अजय फांफरीया, शांतिलाल डोसी, संदीप डांगी, महेश सोलंकी, लक्ष्मीनारायन गोयल, नितिन गर्ग, अनिल जैन आदि उपस्थित हुए। उक्त जानकारी एसोसिएशन के सचिव ललित काबरा ने दी।

विद्या भारती के 5 आधारभूत विषयों का प्रकटीकरण व भारतमाता की 501 दीपक से महाआरती सम्पन्न

पिपलियामंडी, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विद्या भारती के 5 आधारभूत विषयों शारीरिक शिक्षा, योग शिक्षा, नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा, संस्कृत शिक्षा ,संगीत शिक्षा का प्रकटीकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। पुरस्कार वितरण व 501 दीपक से भारतमाता की महाआरती सम्पन्न हुई। अतिथि जिला संघ चालक दशरथसिंह झाला, विभाग समन्वयक कैलाश धनगर, मंडी व्यापारी कैलाश पोरवाल, पिपलियामंडी थाने की सब इंस्पेक्टर उमा दोहरे, राष्ट्रीय आदर्श शिक्षण समिति पिपलिया अध्यक्ष बन्टू भूत मंचासीन थे। अतिथियों ने विज्ञान

प्रदर्शनी का अवलोकन एवं प्ले ग्रुप कक्ष का लोकार्पण किया गया व उद्बोधन दिया। अतिथि परिचय प्राचार्य प्रकाश धाकड, स्वागत सचिव महोदय पुखराज गुप्ता, सहसचिव अर्पित लक्षकार, कोषाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, महिला समिति सदस्या मोनिका सेठिया ने किया। कार्यक्रम के तहत विद्या भारती के 5 आधारभूत विषयों का प्रकटीकरण आयोजित हुआ। जिसमें घोष टोली का प्रकटीकरण, सामूहिक समता प्रयोग, योग, पिरामिड, साहसिक प्रदर्शन, एकल नृत्य, डंमल्स योग, दंड योग, लेजिम नृत्य एवं सामूहिक योग व्यायाम का प्रकटीकरण करवाया गया। संदीपनी मुनि का आश्रम एवं भगवान श्रीकृष्ण बलराम की शिक्षा का स्वरुप भी संस्कृत शिक्षा के अंतर्गत बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागी भैया-बहिनों को कार्यक्रम वाइज समूह बनाकर पुरस्कार प्रदान किया। भारत माता की 501 दीपक से महाआरती के कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम संचालन विद्यालय प्रधानाचार्या श्रीमती मीना वैष्णव ने किया। आभार पिंकी गुर्जर ने माना।

बस चालकों की नारेबाजी, हड़ताल का दिखा असर

नाहरगढ़, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। हिट एंड रन कानून के विरोध में नाहरगढ नगर के पशु चिकित्सालय फंटे तथा नई आबादी, बिल्लोद सडक मार्ग पर वाहन चालकों ने सोमवार सुबह से हडताल शुरू कर दी है। इससे बस स्टैंड से यात्री बसें रवाना नही हो पाई। ट्रकों, डंपरों, यात्री बस, ओर बडे छोटे भाडा वाहन के पहिए भी थम गए हैं। यात्री बस स्टैंड आने के बाद परेशान होकर अपने घर वापस जाने के लिए विवश हो रहे थें। वाहन चालक संघ के सदस्यों ने सुबह एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की और सरकार से काला कानून वापस लेने की मांग की है।

परशुराम सेना सकल ब्राह्मण समाज का मिलन समारोह सम्पन्न

मनासा, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। परशुराम सेना सकल ब्राह्मण समाज मनासा द्वारा भव्य मिलन समारोह का आयोजन 31 दिसंबर 23 को विजयवर्गीय धर्मशाला में आयोजित किया गया जिसमें सर्व ब्राह्मण समाज मनासा द्वारा बडे उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। कार्यक्रम की शुरुवात आराध्य परशुराम जी तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हूई। दिनभर के इस खुशनुमा आयोजन में भव्य भजन संध्या दोपहरी में सकल ब्राह्मण समाज के प्रसिद्ध गायको पंकज तिवारी, सिद्धार्थ नागदा, सुनील शर्मा, राजीव नागदा, अर्पित शर्मा ,अनुराग शर्मा ,गोविंद उपाध्याय, दिनेश पुरोहित विक्रम पाराशर एवं ढोलक पर अनिल उपाध्याय और विजय उपाध्याय श्वेता व्यास दिलीप मोड नलखेडा द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति से कार्यक्रम में आनंद और उत्साह का वातावरण बना दिया। परशुराम सेना मनासा द्वारा सभी भजन गायको का दुपट्टे से स्वागत और सम्मान किया गया तथा उसके पश्चात सभी विप्र जनों का स्नेह भोज संपन्न हुआ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी साथियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ सभी कामों में भाग लिया और कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर आखिरी तक परशुराम सेवा मनासा के सभी युवाओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ समाज को आगे बढाने का संकल्प लिया।

ई-जनसुनवाई में अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित हो-कलेक्टर

कलेक्टर जैन ने की ई-जनसुनवाई, जावद क्षेत्र की 5 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों से हुए रूबरू

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करते हुए, जावद जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुवाखेडा, पालराखेडा, बरखेडा कामलिया, उपरेडा एवं मोडी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्य म से संवाद कर, ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए।

कलेक्टेर श्री दिनेश जैन ने निर्देश दिए, कि ई-जनसुनवाई से संबंधित ग्राम पंचायतों की अद्यतन जानकारी के साथ अधिकारी उपस्थित होना सुनिश्चित करें। ई-जनसुनवाई में पालराखेडा, बरखेडा कामलिया के ग्रामीणों ने नीमच मण्डीज में लहसुन को ट्रेक्टकर ट्रॉली से विक्रय न कर, जमीन पर ढेर लगा कर विक्रय की मांग की, जॉब कार्ड का लंबित भुगतान नही होने पर भुगतान करवाने, अधुरी आंगनवाडी की बाउण्ड्री वाल निर्माण करवाने, पात्र हितग्राही को समग्र आईडी से राशन वितरण करने संबंधी सुझाव दिए। कलेक्टर श्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए, कि जीर्णशीर्ण आंगनवाडी के प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें। जिससे कि डिस्मेान्टरल कर, नवीन भवन बनाया जा सके। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि गॉवों में टयूबवेल, कुएं आदि खुले न रहे, उन्हेर शीघ्र ढकवाएं, ताकि घटना दुर्घटना की आंशका ना हो। आयुष्मान कार्ड बनाने, उन्हे वितरण कर, पोर्टल पर दर्ज करवाये। उज्जवला योजना, स्वामित्व् योजना, ग्राम को टी.बी.मुक्त करवाने, टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी, दिव्यांग पेंशन, केवायसी, श्रमिक कार्ड, राशन वितरण, पीएम किसान एवं सीएम किसान योजना की जानकारी प्राप्त कर, अधिकारियों को निर्देश दिए, कि निर्धारित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करवाये।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	106	2165	2214
उडद	10	3500	5253
सोयाबीन	2196	3800	4800
गैहु	615	2300	3240
चना	27	4801	5081
मसुर	76	5000	5745
धनिया	55	5400	6501
लहसुन	5000	7500	2500
मैथी	182	5051	5851
अलसी	552	4701	5188
सरसो	147	4196	5016
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	00	00	00
प्याज	3500	500	1332
कलोंजी	7	14279	15781
डॉलर	6	5000	12499
तिल्ली	00	00	00
मटरसुखी	00	00	00
असालीया	2	4343	9394

ट्रेलर में घुसी कार, तीन की मौत, तीन घायल

टायर फटने से हुआ हादसा, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर हुई दुर्घटना

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नए साल के पहले दिन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर सीमेंट से भरे खड़े ट्रेलर में पीछे से एक कार जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार दो महिलाओं सहित तीन लोगो की मौत हो गई। जबकि, 3 अन्य घायल हो गए। जिन्हें रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

मंदसौर जिले से गुजर रहे सीतामऊ8 लेन मार्ग पर सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में राजस्थान के बांसवाड़ा निवासी दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि उपचार के दौरान एक अन्य युवक भी भगवान के घर चला गया। इधर चालक सहित तीन लोग घायल है। जिन्हें मंदसौर के बड़े अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां से उन्हें रतलाम मेडिकल कालेज रैफर किया गया है। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रॉले के टायर फूटने से पीछे से आ रही कार ट्रॉले में घुस गई। कार सवार कोटा से रतलाम की ओर जा रहे थे। जानकारी के अनुसार मंदसौर के सीतामऊथाना क्षेत्र के ग्राम बेलारी के यहां सुबह करीब 6 बजे गरोठ से रतलाम की ओर जा रही कार आरजे 03 यूए 4681 आगे जा रहे ट्रेलर आरजे33जीए4026 में पीछे से जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार रुचि पति भोपेश उपाध्याय 55 वर्ष, दीपिका पति ज्योतिर्मय त्रिवेदी 42 वर्ष दोनों निवासी मोहन कॉलोनी बांसवाडा (राजस्थान) की मौके पर मौत हो गई। वहीं भोपेश पिता चंदूलाल उपाध्याय 57 साल, भावनी पिता भोपेश उपाध्याय 25 साल, नित्या पिता ज्योतिर्मय त्रिवेदी 17 साल सभी निवासी मोहन कॉलोनी, बांसवाडा (राजस्थान) व कार चालक रियाज़ पिता सिराज मुसलमान 50 वर्ष निवासी बांसवाडा (राजस्थान) घायल हो गए। सूचना पर सीतामऊथाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मंदसौर के बड़े अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों का उपचार कर रतलाम मेडिकल कॉलेज रैफर किया गया। इस दौरान भावेश उपाध्याय की भी मौत हो गई।

ट्रॉले का टायर फूटने से हुआ हादसा...

सीतामऊथाना प्रभारी किशोर पाटनवाला ने बताया कि स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है की आगे चल रहे ट्रॉले का टायर फूटने से ट्रॉला खड़ा हो गया। इसी दौरान पीछे आ रही कार ट्रॉले में जा घुसी, जिससे यह हादसा हुआ है। कार चालक रियाज और एक युवती नित्या की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार सीमेंट से भरे ट्रेलर का टायर पंचर हो जाने से वह सड़क पर ही खड़ा था।

तेज रफ्तार बाइक और जननी एक्सप्रेस की भिड़ंत, बाइक सवार दोनों युवकों की मौत

मनासा, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। रामपुरा थाना क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया। 31 दिसंबर की रात में नीमच-झालावाड़ मार्ग पर गांव जमालपुरा के पास एक बाइक और जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस में आमने-सामने जोरदार भिडंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। दरअसल बाइक सवार रामपुरा की ओर से अपने गांव बरवाडीया जा रहे थे। दूसरी ओर से जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस एक डिलीवरी केस को लेकर सरकारी अस्पताल लेकर जा रही थी। इसी दौरान जमालपुरा के पास ये हादसा हुआ। हादसा इतना भयानक था कि बाइक पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, दूसरे को रामपुरा शासकीय चिकित्सालय एम्बुलेंस से ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। वहीं जननी एक्सप्रेस में मौजूद प्रसूता का भी प्रसव इसी दौरान हो गया। मृतकों के शव का रामपुरा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। इस दर्दनाक में गांव बरवाडीया निवासी घनश्याम उम्र 26 साल और जगदीश उम्र 24 साल की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

मालवा की वैष्णोदवी भादवामाता के दर्शन के लिए उमड़े भक्त

समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने लगाया मां को भोग, दिनभर महाप्रसादी वितरण

नीमच, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नव वर्ष के पहले दिन मालवा की वैष्णोदेवी के नाम से प्रसिद्ध महामाया भादवा के लिए दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। सैकडों भक्तों ने मां भादवा के दर्शन कर नए वर्ष की शुरूआत की। समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर ने सपरिवार महामाया के दर्शन किए और माताजी को भोग लगाया। दिनभर महाप्रसादी वितरण हुई।

चमत्कारिक आरोग्य धाम भादवामाता की ख्याति दूर—दूर तक फैली हुई है। देवी मां के प्रति अगाध आस्था व भक्ति के कारण मां भादवा माता के दरबार में नववर्ष पर हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे। भक्तों की बडी संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और महामाया भादवा माता मंदिर प्रबंधन समिति ने नववर्ष के मौके पर विशेष इंतजाम किए। समाजसेवी अरूल अशोक गंगानगर की तरफ से मातारानी को विशेष भोग लगाया गया। चना और हलवा का भोग सबसे पहले माताजी को चढाया और इसके बाद भक्तों को वितरित करने का सिलसिला शुरू हुआ। समाजसेवी अशोक अरोरा ने सपरिवार माताजी की पूजा—अर्चना कर विशेष भोग चढाया। सैकडों भक्त नववर्ष 2024 की शुरूआत माताजी के दर्शन कर करने के लिए पहुंचे।

मंदिर निर्माण के चलते चलित व्यवस्था–वर्तमान में माताजी का दिव्य व उद्दभूत मंदिर निर्माण चल रहा है। समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर द्वारा मंदिर का निर्माण करवाया जा रहा है। मंदिर में नववर्ष पर दर्शन व पूजन की चलित व्यवस्था रखी गई, ताकि भक्तों को आसानी से और सुलभ दर्शन हों। चलित दर्शन की व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी।

800 साल से मंदिर में अखंड ज्योत–मंदिर के गर्भ गृह में देवी मां के चरणों में लगभग 800 साल से अखंड ज्योत प्रज्वलित है। मंदिर की ज्योत की निरंतरता भी इसे चमत्कारिक बनाती है। देवी मां के साथ मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योत के दर्शन व पूजन का भी विशेष महत्व है। देवी मां के दरबार को अलौकिक बनाने और रूप देने के लिए मप्र सरकार और समाजसेवियों ने संकल्प लिया है, उसी के अनुरूप मंदिर निर्माण तेजी से चल रहा है।

नव वर्ष के जश्न में हुड़दंगियों पर रही पुलिस की नजर

शहर में रात भर पुलिस रही मुस्तैद, अलग-अलग जगह चेकिंग पॉइंट लगाकर की जांच

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सोमवार से नववर्ष का आगाज हो चुका है। रविवार 31 दिसंबर की रात्रि में लोग नव वर्ष के आगमन की खुशी में जश्न मनाते दिखाई दिए हैं। देश के साथ मंदसौर में भी लोगों ने नववर्ष का जश्न उत्साह के साथ मनाया। वहीं जश्न में किसी भी तरह का खलल पैदा ना हो, जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे और हुड़दंगियों पर नकेल कसी जा सके, इसके लिए मंदसौर पुलिस द्वारा पहले से ही पुख्ता इंतजाम किए गए थे। 31 दिसंबर की रात से 1 जनवरी की सुबह तक पुलिस शहर में पेट्रोलिंग करते नजर आई। 31 दिसंबर को देर रात से ही पुलिस शहर के अलग-अलग स्थान पर चेकिंग पॉइंट लगाकर वाहनों की चेकिंग करती नजर आई। मंदसौर पुलिस कप्तान के निर्देश पर पुलिस की टीमें तैनात दिखाई दी। इस दौरान पुलिसकर्मी वाहन चालकों की जांच ब्रेथ एनालाइजर से करते नजर आए। ताकि शराब पीकर वाहन चलाने वालो पर सख्त कार्यवाही की जा सके। इस दौरान बाइक से लेकर ट्रक तक तमाम वाहनों के चालकों की चेकिंग की गई और उनके दस्तावेज भी चैक किए गए।

देशना व कृति ने जीते राज्य स्तरीय स्केटिंग में पदक

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश लोक संचनालय व स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सतना में आयोजित हुई राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में मंदसौर की दो बालिकाओं देशना पिता अमित जैन वी कृति पिता राजेश सेठिया ने कांस्य पदक जीता।

अधिक जानकारी देते हुए स्केटिंग एसोसिएशन के सचिव राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पूरे मध्य प्रदेश के 10 संभाग से लगभग 400 खिलाडियों ने सहभागिता की थी जिसमें 500 मीटर 1000 मी 2000 और 3000 मीटर की रेस विभिन्न आयु वर्ग में आयोजित हुई इसमें 500 मी क्वार्टर्ज 17 वर्ष बालिका में कृति ने व 19 वर्ष

आयु वर्ग 1000 मीटर में देशना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया है इनके अतिरिक्त भी बालिका वर्ग में दृष्टि, नीतिका, जारा व बालक वर्ग में लक्ष्य शर्मा, भव्य नाहर, शौर्य सिंह चौहान, निशित श्रीवास्तव, युग श्रीवास्तव, केरव नाहर का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा। जिला स्केटिंग संघ के कुल 22 खिलाडी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए थे, मंदसौर नगर के लिए बडी उपलब्धि है यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय स्तर के ग्राउंड पर खेली गई जिसका अभ्यास नहीं होने के कारण खिलाडियों को थोडी परेशानी हुई नहीं तो और अधिक संख्या में पदक जीते जा सकते थे। मंदसौर में लंबे समय से स्केटिंग ग्राउंड की मांग की जा रही है देशना इससे पहले भी 37वी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन कर चुकी हैं जबकि कृति के लिए यह प्रथम अवसर था जब वह राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता कर रही थी और प्रथम बार में ही पदक प्राप्त किया, जो निश्चित रूप से उनके भविष्य को नई उंचाइयां प्रदान करने में सहयोग करेगा। खिलाडियों की इस उपलब्धि पर जिला स्केटिंग संघ के अध्यक्ष कपिल भंडारी, सचिन काले, अनिल चौधरी, अनिल नहार, आदि ने बधाई दी व खिलाडियों को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

जिले में अत्यावश्यक सेवाएं प्रभावित ना हो-जैन

कलेक्टर एवं एसपी ने बस, ट्रक एसोशिएशन के साथ की बैठक

नीमच, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी, एडीएम सुश्री नेहा मीना व्दा रा जिले के बस ऑपरेटर यूनियन, ट्रक ऑपरेटर यूनियन, गैस ऐजेंसी संचालकों, पेट्रोल, डीजल पम्प संचालकों, ऑटो यूनियन के पदाधिकारियों के साथ सोमवार को कलेक्टर कार्यालय नीमच में बैठक आयोजित कर चर्चा की।

इस बैठक में कलेक्टर एवं एसपी ने कहा कि वाहन चालकों की प्रस्तावित हडताल के मद्देनजर आवश्यक सेवाएं प्रभावित ना हो, इसका भी ध्यान रखा जाये। वाहन चालक संघ की मांगे प्रशासन के ध्यान में है, व उन पर विचार करने के लिए शासन का ध्यान आकृष्टकराया जा रहा है। कलेक्टर ने अपील की है, कि हडताल के कारण अत्यावश्यक चिकित्सा सेवाएं, एम्बुलेंस सेवाएं, लोक परिवहन, अत्यावश्यक सेवाएं जैसे, दूध, फल, सब्जियों और पेट्रोल, डीजल दवाईयों आदि की आपूर्ति प्रभावित ना हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। कलेक्टर एवं एसपी ने सभी से जिले में अत्यावश्यक सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं, लोक परिवहन एवं एम्बुपलेंस सेवाएं आदि के सुचारू संचालन में सभी से सहयोग की अपील की है। बैठक में बस ऑपरेटर्स ऐसोशिएशन के संरक्षक श्री मुकेश गुप्ता, श्री चंचल बाहेती, गैस ऐसोशिएशन के श्री श्याम नरेडी, पेट्रोल, डिजल पम्प यूनियन के श्री महेन्द्रच भटनागर, ट्रक ऑपरेटर एसोशिएशन के श्री विरेन्द्र गुर्जर, ऑटो युनियन श्री रमेश राठौर आदि सभी ने प्रशासन को हर सम्भव सहयोग का विश्वास दिलाया। बैठक में खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर एवं अन्य अधिकारी तथा इंडियन ऑइल एवं बीपीसीएल के प्रतिनिधि भी वर्चुअली मौजुद थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव-गांव में कर रही है भ्रमण

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन सभी जनपदों में किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम झिरकन, गुदियाना, सेमलियाहिरा एवं पाडलियालालमुंहा, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा देवरी एवं बैलारा, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा भूटनी एवं गराडा, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा कंवला एवं सादलपुर जनपद पंचायत सीतामऊमें गलियारा, खेडा, धलपट एवं ढाबलामहेश में भ्रमण किया। यात्रा के दौरान संकल्प यात्रा की शपथ दिलाई गई। इस दौरान सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण जन एवं पत्रकार उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन गांवों में भ्रमण करेंगी–विकसित भारत संकल्प यात्रा 2 जनवरी 2024 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम झाकेडा, झावल, मजेसरा एवं पटेला, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा मुंदेडी एवं लुनाहेडा, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा किलगारी एवं बंजारी चंदवासा, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा हमिरगढ एवं लोटखेडी, जनपद पंचायत सीतामऊ में फतेहपुरचिकली, चिकला, प्रतापपुरा एवं बर्डियागुर्जर में भ्रमण करेंगी।

शटर के ताले चटकाए, 120 मोबाईल चोरी

प्रतापगढ़, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर से निकलने वाले नेशनल हाईवे 56 के हाई स्कूल के निकट बीती रात चोरों ने एक मोबाइल की दुकान को निशाना बनाते हुए मोबाइल और नगदी सहित करीब 20 लाख रुपए के समान पर हाथ साफ किया है।

सोमवार सुबह दुकानदार ने जब दुकान खोली तो चोरी का खुलासा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए। सूचना के बाद कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और नेशनल हाईवे के आसपास सीसीटीवी खंगाले। दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में एक युवक शटर ऊपर कर दुकान के अंदर प्रवेश कर बेग में मोबाइल भरता हुआ नजर आ रहा है। नए साल की रात में हुई इस चोरी से आसपास के लोगों में भी सनसनी फैल गई। कोतवाली थाना अधिकारी भगवान लाल मामला दर्ज कर जांच में जुटे हुए हैं। इस वारदात में चोरों

ने 120 महंगे फोन और दुकान के अंदर दराज में रखे 40 हजार रुपए नगद उड़ाए हैं। दुकानदार प्रवीण लबाना ने चोरी की घटना की जानकारी पुलिस को दी। मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कराया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है। थाना अधिकारी भगवान लाल का कहना है आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मिलन समारोह आज बंजारी बालाजी में

मल्हारगढ़, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नववर्ष के उपलक्ष्य में 2 जनवरी मंगलवार को प्रात: 11 बजे विधानसभा स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मिलन समारोह बंजारी बालाजी पर आयो जित हो गा।उक्त आशय की जानकारी मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा,धुँधडका ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा, संजीत ब्लॉक ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ईश्वर धाकड ने देते हुवे बताया कि कार्यकर्ता मिलन समारोह की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याक्षी रहे परशुरामजी सिसौदिया करेंगे मिलन समारोह में जिला कांग्रेस की प्रभारी श्रीमती अर्चना जी जायसवाल, विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व विधायक एवं पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल जी सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेतागण मार्गदर्शन देंगे।

सुरक्षा गार्ड पद भर्ती हेतु शिविर का आयोजन आज से

मंदसौर, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि सुरक्षा गार्ड पद भर्ती हेतु एसआईएस इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा विकासखंड स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया है। सुरक्षा गार्ड पद भर्ती शिविर जनपद पंचायत भानपुरा में 2 जनवरी को, जनपद पंचायत गरोठ में 3 जनवरी को, नगर परिषद सुवासरा में 4 जनवरी को, जनपद पंचायत सीतामऊमें 5 जनवरी को, जनपद पंचायत मल्हारगढ में 8 जनवरी को, ग्राम पंचायत दलोदा में 9 जनवरी को एवं जनपद पंचायत मंदसौर में 10 जनवरी को प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक शिविर का आयोजन किया गया है। इच्छुक युवा जो कक्षा 10वी पास, उम्र 21 से 37 वर्ष, उच्चाई 168 से.मी., वजन 56 किलो से 90 किलो एवं चेस्ट 80-85 हो शिविर में आवेदन कर सकते है। कक्षा 10वी मार्कशीट की फोटो कॉपी, 1 फोटो एवं आधार कार्ड रजिस्ट्रेश शुल्क 500 रूपये साथ लेकर आवे।

करोड़पति नेताओं की बेचारी...

पेज 1 से जारी

क्यों आबाद नहीं हो पाई, इसका उत्तर शायद इसके वह करोडपति नेता ही दे सकते हैं, जो अपनी सियासी सफर की शुरूआत से लेकर अब तक आर्थिक मामले में फर्श से अर्श तक का धमाकेदार सफर तय कर चुके हैं। ऐसे में अनुत्तरित और गंभीर प्रश्न यह भी है कि आखिर ऐसा क्या है कि सत्ता की भरपूर मलाई सूतने के बाद गद्दी से नीचे आते ही यह पार्टी कैसे सीधे कंगाली के मुंह में जा समाती है?

यह सब देखकर लगता है कि शायद कांग्रेस के कर्णधारों ने अपनी जेब भरते समय पार्टी की तरफ ध्यान नहीं दिया और अब वे जनता से पार्टी की सुध लेने की गुहार लगा रहे हैं। करोड़पति नेताओं की भाजपा सहित अन्य दलों में भी कमी नहीं है। इनमें से भी कई ऐसे हैं, जिन पर लक्ष्मी की यह कृपा राजनीति में आने के बाद ही हुई। निश्चित ही ऐसी समृद्धि जांच सहित संदेह का विषय भी है। किंतु देश में सबसे लंबे और वैभवशाली अतीत के बाद भी कांग्रेस की ऐसी दशा क्यों है, यह समझ से परे ही रहेगा। ठीक उसी तरह, जैसे आज भी यह बात नहीं समझी जा सकी है कि पार्टी के दिग्गज नेता पी चिदंबरम ने किस तरह घर के गमले में उगी गोभी से करोड़ो की आय अर्जित कर ली और किस तरह कोयला घोटाले से लेकर कॉमन वेल्थ घोटाला आदि की लंबी फेहरिस्त में जुड़े इस पार्टी के कई नेता रहस्यमय तरीके से कुबेर की श्रेणी में स्थापित होते चले गए। अब कांग्रेस लंबे समय से कई राज्यों में सत्ता से बाहर है और केन्द्र से उसकी बेदखली हुए भी एक दशक पूरा हो रहा है। राज्यों में तो इस बुजुर्ग पार्टी के लिए प्रदेशाध्यक्ष तय करने का फार्मूला ही यह हो गया है कि चयनित नेता पार्टी के खर्चे वहन कर सकता है या नहीं। आखिर तमाम नाकामयाबियों के बाद भी कमलनाथ छह साल तक मध्यप्रदेश में कांग्रेस को अपनी मनमर्जी से ही तो हांकते रहे। इसी का दूसरा उदाहरण, गिने चुने राज्यों में सत्तारूढ बची कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों की आलाकमान के सामने ताकत से भी लगाया जा सकता है।

खैर, हालात और उनके कारणों का सच चाहे जो भी हो। लेकिन, एक बात साफ है। राहुल गांधी के प्रभाव वाले इस पूरे कालखंड में कांग्रेस जनमत से लेकर धन के मामले में ठन-ठन गोपाल वाला सफर बडी दयनीय अवस्था में घिसट-घिसटकर तय कर पा रही है। वैसे तो यह सारा मामला ही किसी लतीफे जैसा है। फिर भी एक और लतीफा याद आ गया। सेना के अफसर ने नाश्ते के लिए बैठी टुकड़ी के जवानों से कहा, 'खाने पर दुश्मन की तरह टूट पड़ो।' टुकडी कई दिन की भूखी थी। उसे यह भी पता नहीं था कि ऐसी खुराक का अगला बंदोबस्त अब कब हो पाएगा। इसलिए जवानों ने पेट भरने के साथ ही खाने का सामान अपनी जेबों में भरना भी शुरू कर दिया। यह देखकर अफसर गुस्से से चिल्लाया तो जवान बोले, 'हुजूर, हम जहां दुश्मनों का सफाया कर रहे हैं, वहीं कुछ को बंदी भी बना रहे हैं।' कांग्रेस की दशा इससे बहुत अलग नहीं दिखती है। अंतर केवल यह कि आज इस दल में ऐसे हालात पर गुस्सा करना तो दूर, सवाल उठाने वाले नेता तक नहीं बचे हैं। वे तो दीन-हीन हालत में देश के सामने यही गाते दिख रहे हैं कि कांग्रेस की सुनो, वह तुम्हारी सुनेगी। तुम एक पैसा दोगे, वह दस लाख देगी।' अब यह बात और है कि यह दस लाख किसके हिस्से में आएंगे? और यह दस लाख किसकी जेब से जाएंगे? इस दल के अब तक के हालात को देखकर इस सवाल का शत-प्रतिशत सही जवाब तो कोई नादान भी पूरी आसानी के साथ दे सकता है।

✻ उठावना ✻

स्व. श्री कन्हैयालाल मजावदिया के छोटे भाई एवं बसंतीलाल मजावदिया, बंशीलाल मजावदिया के बडे भाई एवं दिलीप मजावदिया इंजीनियर, दिनेश मजावदिया इंजीनियर के पिताजी तथा मयंक, अंकित एवं शैंकी के दादाजी श्री दयाराम मजावदिया रामपुरा वाले का आकस्मिक निधन 31 दिसंबर रविवार को हो गया है। जिनका उठावना आज 2 जनवरी, मंगलवार को दोप. 1 बजे पोरवाल छात्रावास तेलिया तालाब के पास रामटेकरी मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
इंजि. दिलीप मजावदिया, इंजि. दिनेश मजावदिया एवं समस्त मजावदिया परिवार, रामपुरा मंदसौर

दो आरोपियों को थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 1 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेट नीमच श्री दिनेश जैन व्दा रा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत अनावेदक प्रदीप पिता दिलीप निवासी वार्ड नम्बर-3, शास्त्री मार्ग जावद जिला नीमच, थाना जावद को सदाचार बनाये रखने के लिए 3 माह तक सप्ताह में दो दिन एवं अनावेदक अंकितसिंह पिता राजेन्द्र सिंह राजपूत निवासी विवेकानंद मार्ग बघाना नीमच, थाना बघाना को सदाचार बनाये रखने के लिए 3 माह तक सप्ताह में एक दिन (थाना प्रभारी व्दारा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

इसरो की बड़ी सफलता...

6 जनवरी को अपनी जगह पहुंचेगा आदित्य एल-1

नई दिल्ली, 1 जनवरी। इसरो ने 2024 के पहले ही दिन बड़ी कामयाबी हासिल की और ब्लैक होल्स के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए सफलतापूर्वक सैटेलाइट लांच किया। इस मौके पर इसरो चीफ एस सोमनाथ ने एक और बडी खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा कि भारत का पहला और इकलौता सोलर मिशन आदित्य एल1 आने वाली 6 जनवरी को अपने लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। जैसा कि आप जानते हैं आदित्य एल1 को 2 सितंबर 2023 को इसरो ने लांच किया था।

6 जनवरी को डेस्टिनेशन पहुंचेगा आदित्य एल1–इसरो चीफ ने कहा कि आदित्य एल1 6 जनवरी को अपनी सही जगह पर पहुंच जाएगा। इसरो चीफ ने कहा कि एक्सपोसेट को ब्लैक होल्स के रहस्यों की जांच करेगा और यह भारत के लिए सबसे बडी कामयाबी होगी। इससे पहले सिर्फ नासा ने ही यह करिश्मा किया था। इसरो चीफ ने कहा कि इस साल यानि 2024 में भारत की तरफ से 12-14 मिशन लांच किए जाएंगे। हमने 12 महीनों के लिए करीब 12 मिशन की प्लानिंग की है। इसके लिए हार्डवेयर की कंप्लीट टेस्टिंग की जा रही है। अगर कहीं कोई दिक्कत आती है, तभी हमारा मिशन पिछड़ेगा। नहीं तो यह सही समय पर लांच किए जा सकते हैं।

गगनयान के बारे में क्या बोले इसरो चीफ–इसरो चीफ एस सोमनाथ ने गगनयान मिशन के बारे में कहा कि हम इसे 2025 में लांच करने वाले हैं। अभी इस मिशन के लिए टेस्टिंग की जा रही है और पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही हम इसकी लांचिंग करेंगे। 2024 का पूरा साल गगनयान मिशन की तैयारियों में गुजरने वाला है।

ब्लैक होल्स की जांच करेगा सैटेलाइट–ब्लैक होल्स मिशन की सफल लांचिंग के बाद इसरो के वैज्ञानिक और चीफ एस सोमनाथ ने बताया कि पीएसएलवी-58 ने सैटेलाइट को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस कक्षा के बाद पीएसएवी लोवर ऑरबिट में स्थापित हो जाएगा। कुछ समय के बाद यह काम करना भी शुरू कर देगा। सोमनाथ ने बताया कि पृथ्वी की कक्षा से यह करीब 650 किलोमीटर दूर है और हमारा टार्गेट ऑरबिट भी इससे करीब 3 किलोमीटर ही दूर है। यह एक्सिलेंट कंडीशन है। भारत का सैटेलाइट सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में स्थापित हो चुका है।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in